



UNIVERSITY OF ALLAHABAD

PUBLIC RELATIONS OFFICE

.Email: prodrau@gmail.com; Mobile: +918299158882

No. P.R.O/635 (PR)/2019-20

Date: August 29, 2024

To,

The News Editor,

The Times of India, NIP, the Pioneer, Hindustan Times, Hindustan, Amar Ujala, Compact, Amrit Prabhat, Dainik Jagran, i-Next, Swatantra Chetna, United Bharat, Aaj, Swatantra Bharat, Daily News Activist.

Sir,

Kindly publish the following news item in your esteemed daily free of cost and oblige.
Thanking you,

Yours faithfully,

Public Relation Officer

Press Release

As per the information received from the

प्रो. भूमिका कर, विभागाध्यक्ष, सी.बी.सी.एस, इलाहाबाद विश्वविद्यालय सूर्य ग्रहण और मानव मस्तिष्क

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के व्यावहारिक एवं संज्ञानात्मक विज्ञान केन्द्र (सी.बी.सी.एस) के वैज्ञानिक एक शोध करने जा रहे हैं जहाँ वे सूर्य ग्रहण के मानव मस्तिष्क की क्रियाओं पर पड़ने वाले प्रभाव को समझने का प्रयास करेंगे। यह शोध आगामी २१ जून को सूर्य ग्रहण के दिन, इविवि के सी.बी.सी.एस की राष्ट्रीय न्यूरोइमेजिंग फैसिलिटी में किया जाएगा। यह शोध सी.बी.सी.एस की विभागाध्यक्ष प्रो. भूमिका कर एवं संस्थान में पोस्टडॉक्टोरल फेलो डॉ. अमरेन्द्र सिंह के द्वारा किया जाएगा। यह अध्ययन अमरीका के औबर्न विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल एवं कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग में कार्यरत डॉ गोपी कृष्ण देशपांडे के साथ मिलकर किया जा रहा है। प्रो. कर के अनुसार यह शोध कई संस्थानों द्वारा सामूहिक रूप से किया जा रहा है जिसमें अमेरिका का औबर्न विश्वविद्यालय, भारत के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और स्नायु विज्ञान संस्थान, बंगलुरु, सिम्बायोसिस अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, पुणे एवं इविवि से सी.बी.सी.एस भाग ले रहे हैं। इस शोध में फंक्शनल एमआरआई (fMRI) तकनीक का प्रयोग किया जाएगा। इस तकनीक के द्वारा सूर्यग्रहण के दौरान मानव मस्तिष्क में होने वाली प्रक्रियाओं और उसमें होने वाले बदलावों को समझा जा सकेगा। गौरतलब है कि सूर्यग्रहण एक खगोलीय घटना है जिसने विभिन्न क्षेत्रों के वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया है। वैज्ञानिक मानते हैं कि सूर्यग्रहण के दौरान उत्पन्न होने वाले विकिरण का प्रभाव मौसम से लेकर पृथ्वी की सतह तक एवं मानव मस्तिष्क पर भी पड़ता है। हालांकि सूर्यग्रहण का मानव मस्तिष्क पर क्या प्रभाव पड़ता है, इस पर अब तक कोई निर्णायक वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। यह ऐसा प्रश्न है जिसका उत्तर अभी तक वैज्ञानिकों के पास नहीं है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा अन्य संस्थानों के साथ मिलकर किया जा रहा यह शोध इस दिशा में एक सार्थक प्रयास होगा।

The scientists at Centre of Behavioural and Cognitive Sciences (CBCS), University of Allahabad are going to conduct a study to investigate the effect of solar eclipse on Human Brain function and its connections. The study will be conducted on 21st June, 2020, on the day of the solar eclipse as well as a pre and post eclipse investigation at the National Neuroimaging Facility at CBCS, University of Allahabad. The research is being conducted by Prof. Bhoomika Kar, Head CBCS and Dr. Amrendra Singh, Postdoctoral fellow, CBCS, University of Allahabad. This study is being conducted in collaboration with Dr. Gopikrishna Deshpande, Faculty at the MRI Research Center, Department of Electrical and Computer Engineering, Auburn University, USA. Prof. Kar informed that this is a multicentre study being conducted at Centres including Auburn University, USA, National Institute of Mental Health and Neurosciences, Bangalore and Symbiosis International University, Pune, and CBCS, University of Allahabad, Prayagraj, India. The study will use the fMRI technique to understand the effect of solar eclipse on human brain's functional connectivity. It is to be noted that solar eclipse which is a celestial phenomena has garnered a significant amount of attention from scientists from various fields. Scientists have ascertained that the radiation during solar eclipse affects various aspects, ranging from the climate to the surface of the earth and brain functioning. There is not much scientific evidence regarding the specific effects of the solar eclipse on human brain function. The collaborative study by the researchers of University of Allahabad will be an important step in this direction.